

**Title:** Consideration and passing of the Two-member Constituencies (Abolition) and other Laws Repeal Bill, 2001.

**19.11 hrs.**

MR. CHAIRMAN: Now, the House shall take up Item No.17.

Shri I.D. Swami.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI I.D. SWAMI): I beg to move:

"That the Bill to repeal the Two-Member Constituencies (Abolition) Act, 1961 and certain other enactments, be taken into consideration."

सभापति जी, मैं एक बड़ा सिम्पल इनोकुअस सा बिल लेकर आया हूँ। **The Two-Member Constituencies (Abolition) and Other Laws Repeal Bill, 2001** ये सात ऐसे एक्ट हैं, जो रिडण्डेंट हैं, नॉन फंक्शनल हैं, इनइफैक्टिव हैं, जिनका परपज पूरा हो चुका है। सैण्ट्रल गवर्नमेंट ने जैन कमीशन एपाइंट किया था और उसने तकरीबन 1300 ऐसे एक्ट इन्व्यूमरेट किये हैं, जिनका अब कोई परपज नहीं है, कोई ध्येय नहीं है, वे सिर्फ स्टेच्यूट बुक पर भार हैं। उसी श्रंखला में ये सात एक्ट जो पिछले हैं, इनको रिपील करने के लिए यह बिल मैं इस ऑगस्ट हाउस के सामने लाया हूँ। उसमें एक बिल तो ऐसा है, जो लोक सभा में और असेम्बली में पहले डबल मैम्बर कांस्टीट्यूंसी होती थी, टू मैम्बर कांस्टीट्यूंसी होती थी, उसके लिए 1961 में एक एक्ट बनाया था - **The Two-Member Constituencies (Abolition) Act, 1961**. उस वक्त टू मैम्बर कांस्टीट्यूंसी को खत्म करके एक मैम्बर कांस्टीट्यूंसी बनी थी। उस एक्ट का परपज अब पूरा हो गया है।

तीन एक्ट ऐसे हैं, जो आन्ध्र प्रदेश, वैस्ट बंगाल और तमिलनाडू, इन तीनों स्टेट्स में, तीनों प्रान्तों में बाई कैमरल लेजिस्लेचर होती थी, लेजिस्लेटिव काउंसिल भी थी, लेजिस्लेटिव असेम्बली भी थी। यह एक्ट उस वक्त आन्ध्र प्रदेश लेजिस्लेटिव काउंसिल एबोलीशन एक्ट, 1965, तमिलनाडू लेजिस्लेटिव काउंसिल एबोलीशन एक्ट, 1986, वैस्ट बंगाल लेजिस्लेटिव काउंसिल एबोलीशन एक्ट, 1969, यह उन लेजिस्लेटिव काउंसिल्स को इन तीनों स्टेट्स में एबोलीश करने के लिए बनाये गये थे। ये एक्ट भी अपना परपज उस वक्त पूरा कर चुके। अब ये स्टेच्यूट बुक पर ख़ाहमख़ाह का भार है, बोझ है। इन तीनों एक्ट्स को भी रिपील करना है।

इसी तरह से तीन एक्ट और हैं, जो मद्रास स्टेट, मैसूर स्टेट और यूनियन टैरीटरी ऑफ लक्षदीप, मिनीकाय और मिनीदीव आईलैंड का नाम बदला था। मद्रास का नाम तमिलनाडू रखा गया, मैसूर का नाम कर्नाटक रखा गया और उन तीन यूनियन टैरीटरीज का लक्षदीप रखा गया था, उसके लिए भी इन तीन एक्ट्स में से एक एक्ट 1968 में और दो एक्ट 1973 में आये थे, उनका भी परपज खत्म हो चुका है। तीन एक्ट ऐसे नाम बदलवाने वाले हैं। तीन यूनियन कैमरल बनाने वाले एक्ट थे और एक जो डबल मैम्बर कांस्टीट्यूंसी खत्म की थी, सिंगल मैम्बर बनाई थी, वह था, ये सात के सात एक्ट रिपील करने के लिए आपके सामने मैं यह प्रस्ताव रख रहा हूँ कि आप इस रिपील बिल को पास करेंगे।

MR. CHAIRMAN: The question is:

"That the Bill to repeal the Two-Member Constituencies (Abolition) Act, 1961 and certain other enactments, be taken into consideration."

*The motion was adopted.*

MR. CHAIRMAN: The House will now take up clause-by-clause consideration of the Bill.

The question is:

*"That clause 2 stand part of the Bill."*

*Clause 2 was added to the Bill.*

*The Schedule was added to the Bill*

*Clause 1, The Enacting Formula and the Long Title were added to the Bill.*

SHRI I.D. SWAMI: Sir, I beg to move:

*"That the Bill be passed."*

*MR. CHAIRMAN : The question is:*

*"That the Bill be passed."*

*The motion was adopted.*

\_\_\_\_\_